*This question paper contains 6 printed pages.]*

**9812** *आपका अनुक्रमांक* .....

**B.El.Ed.** **B**

Paper O – 2.2

HINDI – I

*समय : 3 घण्टे* *पूर्णांक : 70*

*(इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)*

*सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

1. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 4+4

   (क) भाषा एवं मानव जीवन;

   (ख) मौखिक और लिखित भाषा में अंतर;

   (ग) भाषिक अशुद्धि से अर्थ में बदलाव;

   (घ) भाषा और बोली।

2. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर निबंध लिखें : 8

   (क) हिन्दी भाषा की सम्भावनाएँ;

   (ख) टेलीविजन : संचार का सशक्त माध्यम;

   (ग) शिक्षा पद्धति में बदलाव की आवश्यकता;

   (घ) अस्पृश्यता : एक अभिशाप।

[P.T.O.

3. यात्रा वृतान्त अथवा आँखों-देखी के गद्यरूप का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर अपनी रचना प्रस्तुत करें : 8

(क) मन के हारे हार है, मन के जीते-जीत;

(ख) ट्रेन-दुर्घटना;

(ग) विश्व पुस्तक मेला।

4. निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं **तीन** के अर्थ बताते हुए उनका अपने वाक्यों में प्रयोग करें : 6

(क) एड़ी-चोटी का जोर लगाना;

(ख) हवाई किले बनाना;

(ग) बगलें झाँकना;

(घ) दाँतों चने चबाना;

(ङ) थोथा चना बाजे घना।

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 5+5

(क) अन्धेर नगरी में हास्य;

(ख) अन्धेर नगरी की भाषागत विशेषताएँ;

(ग) अन्धेर नगरी के चरित्र।

6. निम्नलिखित अनुच्छेदों में से किन्हीं दो को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 7+7

(क) मानव शरीर में पेट का स्थान नीचे है; हृदय का ऊपर और मस्तिष्क का सबसे ऊपर। पशुओं की तरह उसका पेट और मानस समानान्तर रेखा में नहीं है। जिस दिन वह सीधे तनकर खड़ा हुआ, मानस ने उसके पेट पर विजय की घोषणा की।

(i) प्रस्तुत अनुच्छेद किस रचना से लिया गया है? इसके रचनाकार कौन हैं?

(ii) 'मानस ने उसके पेट पर विजय की घोषणा की', इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

(iii) प्रस्तुत अनुच्छेद की भाषागत विशेषता बताइए।

(ख) कह नहीं सकती, कब और कैसे मुझे उन बालकों को कुछ सिखाने का ध्यान आया, पर जब बिना कार्यकारिणी के निर्वाचन के, बिना पदाधिकारियों के चुनाव के, बिना भवन के, बिना चंदे की अपील के और सारांश यह कि बिना किसी चिर-परिचित समारोह के, मेरे विद्यार्थी पीपल के पेड़ की घनी छाया में मेरे एक ओर एकत्र हो गए, तब मैं बड़ी कठिनाई से गुरु के उपयुक्त गंभीरता का भार वहन कर सकी।

(i) प्रस्तुत गद्यांश किस रचना से लिया गया है? इसके रचनाकार का नाम बताइए।

(ii) प्रस्तुत गद्यांश की भाषागत विशेषता लिखिए।

(iii) प्रस्तुत गद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ग) सोचने-सोचने में दिन, सप्ताह और महीने निकलते गये। मन में आशंका उठती- क्या सचमुच पहले की जिन्दगी को मिटाकर इन्सान नये सिरे से जिन्दगी शुरू कर सकता है? जिन्दगी के कुछ वर्षों को वह एक दुःस्वप्न की तरह भूलने का प्रयत्न कर सकता है?

(i) प्रस्तुत गद्यांश किस रचना से लिया गया है? इसके रचनाकार का नाम बताइए।

(ii) प्रस्तुत गद्यांश के आधार पर पात्र की मनोदशा का वर्णन कीजिए।

(iii) रेखांकित अंश का भाव स्पष्ट कीजिए।

(घ) हम दोनों चाहे सारी दुनिया की विद्या पढ़ लें, अम्माँ और दादा को हमें समझाने और सुधारने का अधिकार हमेशा रहेगा। केवल इसलिए नहीं कि वे हमारे जन्मदाता हैं, बल्कि इसलिए कि उन्हें दुनिया का सबसे ज्यादा तजरबा है और रहेगा। अमेरिका में किस तरह राज-व्यवस्था है, और आठवें हेनरी ने कितने ब्याह किये और आकाश में कितने नक्षत्र हैं, यह बातें चाहे उन्हें मालूम हों, लेकिन हजारों ऐसी बातें हैं, जिनका ज्ञान उन्हें हमसे और तुमसे ज्यादा है।

(i) प्रस्तुत गद्यांश किस रचना से लिया गया है? इसके रचनाकार कौन हैं?

(ii) लेखक के शिक्षा सम्बन्धी विचारों को व्यक्त कीजिए।

(iii) प्रस्तुत गद्यांश की शिल्पगत विशेषता बताइए।

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिये : 4+4

(क) ''मकर-संक्रान्ति' के माध्यम से लेखक ने समाज की विसंगतियों की ओर हमारा ध्यान आकर्षित कराना चाहा है।'' इस कथन की विवेचना कीजिए।

(ख) 'ब्रह्म राक्षस का शिष्य' की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

(ग) कहानी के तत्वों के आधार पर 'उसने कहा था' की समीक्षा कीजिए।

(घ) 'एक और जिन्दगी' कहानी पुरुष अहम् को व्यक्त करने वाली कहानी है- इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिये : 4+4

(क) 'सदाचार का ताबीज' भ्रष्ट व्यवस्था पर करारा व्यंग्य है'- इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ख) 'ईश्वर भी क्या ठठोल है' इस निबन्ध के माध्यम से निबन्धकार ने देश की किस समस्या को उजागर किया है?

(ग) एकांकी के तत्वों के आधार पर 'भोर का तारा' की समीक्षा कीजिए।

(घ) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' - इस निबन्ध की मूल संवेदना को व्यक्त कीजिए।